कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–005

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.वी.एस.–005 : छन्दस् एवं कल्प

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* *3×20=60*

1. छन्दसूत्र के प्रथम अध्याय की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

2. पठित अंश के आधार पर किन्हीं **चार** उदाहरणों द्वारा छन्दसूत्र के प्रथम अध्याय का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. छन्दसूत्र के तीसरे अध्याय की विषय-वस्तु का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. कल्पशास्त्र के प्रवचनकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. यज्ञ के स्वरूप एवं दीक्षाव्रत का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. विभिन्न यागों के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *अधोलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* 4×10=40

1. अग्निहोत्र के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

2. कल्पशास्त्र का परिचय लिखिए।

3. छन्दसूत्र के चौथे अध्याय का सारांश लिखिए।

4. सोमयाग किसे कहते हैं ? वर्णन कीजिए।

5. विवाह संस्कार का वर्णन कीजिए।

6. होमविधि का स्वरूप लिखिए।

7. ब्रह्मचर्य आश्रम के कर्तव्यों का उल्लेख कीजिए।